Nai Dunia, 06th May 2017, Page – 02

एजुकेशन हब के रूप में इंदौर ने बनाई अलग पहचान

आईआईटी और आईआईएम वाला देश का एकमात्र शहर

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर ने अपनी एजुकेशन हब के रूप में अलग पहचान बना ली है। यह देश का एकमात्र ऐसा शहर है, जहां आईआईटी और आईआईएम दोनों शीर्ष संस्थाएं संचालित होती हैं। सरकार की नई नीतियों के कारण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह बदलाव देखने को मिला है। फिलहाल यहां प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी विद्यार्थी पढ़ने आ रहे हैं।

बीते 15 साल में शहर में एजुकेशन सेक्टर में जबर्दस्त बदलाव आया है। यूजी-पीजी सहित इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, आईएएस, आईपीएस समेत प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए विद्यार्थी यहां आ रहे हैं। राज्यस्तरीय यूनिवर्सिटी के साथ ही चार प्राइवेट यूनिवर्सिटी यहां संचालित होती है। अकेले इंदौर शहर में करीब 105 सरकारी व प्राइवेट कॉलेज हैं। साथ ही कोचिंग क्लास भी 150 से अधिक है, जो आईएएस, आईआईटी, आईआईएम, बैंक, पुलिस, प्रशासनिक पदों के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने में लगी हैं।

जानकारों के मुताबिक हर साल यहां दो लाख से ज्यादा विद्यार्थी यूजी और पीजी कोर्स करने आते हैं। इनके लिए शहरभर में डेढ़ हजार से ज्यादा गर्ल्स और बायज हॉस्टल है, जिनमें यूनिवर्सिटी के दस हॉस्टल शामिल है।

गुणवत्ता बढ़ाना है

शहर में अच्छे शैक्षणिक संस्थानों की संख्या पर्याप्त है। विद्यार्थियों को वर्ल्ड क्लास एजुकेशन देने के लिए अब शक्षा की गुणवत्ता और बढ़ाने की जरूरत है। यह काम शासन के अलावा शिक्षाविद् अपने सुझाव देकर कर सकते हैं। वहीं शिक्षा का व्यापार खत्म करने पर जोर देना चाहिए। महंगी शिक्षा के चलते गरीब बच्चों को इसका फायदा नहीं मिल पाता है।

- डॉ. भरत छपरवाल,
पूर्व कुलपति व शिक्षाविद्